घर पर ही वाहनों की वॉशिंग के लिए संपर्क करें

सभी प्रकार के फोर व्हीलर वाहनों की दैनिक व मंथली बेसिक पर वाहन मालिक के घर पर ही वॉशिंग के लिए वह डेली वेजेस ड्राइवर के लिए संपर्क करें

मो.- 9529714487

साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 4 | अंक : 03 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 24 अगस्त से 30 अगस्त 2023 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

बाल विवाह करवाओगे तो जाओंगे 2 साल के लिए जेल-जिलाधिकारी गोतमारे

बुलंद गोंदिया- जिला बाल संरक्षण सेल गोंदिया की ओर से आयोजित जिला बाल संरक्षण समिति गोंदिया की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने गोंदिया जिले में बाल विवाह उन्मूलन हेतु उपस्थित सभी अधिकारियों को शपथ दिलाई।

जिलाधिकारी गोटमारे ने आगे कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध है और बाल अधिकारों का उल्लंघन है. बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की का 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के से विवाह करना कानूनी अपराध है। कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करता है या किसी भी तरह से इसमें सहायता करता है या भाग लेता है, उसे दो साल की कैद और एक लाख रुपये जुर्माने से दंडित किया जाएगा। इसी प्रकार उन्होंने निर्देशित किया कि भविष्य में सामूहिक विवाह समारोह कहां-कहां आयोजित होंगे इसकी भी सारी जानकारी पहले से ले ली जाए तथा एसेस टू जस्टिस के तहत चलाए जाने वाले बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजानन गोबडे ने जिला बाल संरक्षण इकाई का अवलोकन किया, जिसमें जिले में तीन बाल विवाह रोके गए और एक बाल श्रमिक को भारतीय समाज कल्याण सोसायटी (बालविहा मुक्त भारत अभियान), दामिनी स्क्वाड पुलिस की मदद से बचाया गया। विभाग, चाइल्डलाइन। इसके बाद बाल कल्याण समिति अध्यक्ष देवका खोबरागड़े ने भी समीक्षा प्रस्तुत की.

इंडियन सोशल वेलफेयर सोसायटी के निदेशक अशोक बेलेकर ने बताया कि नोबेल पुरस्कार विजेता कैलास सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन दिल्ली और इंडियन सोशल वेलफेयर सोसायटी गोंदिया गोंदिया जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान चला रहे हैं। इसके माध्यम से सभी ग्राम स्तरों पर शहरी क्षेत्रों में विद्यालयों आदि में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं तथा ग्रामों में घर-घर जाकर व्यक्तियों, परिवार के सदस्यों तथा सामूहिक स्तर पर उपस्थित लोगों को बाल विवाह, बाल तस्करी न करने के सम्बन्ध में शपथ दिलायी जा रही है। बाल यौन शोषण एवं बाल श्रम मुक्त जिला। जिला महिला एवं बाल कल्याण अधिकारी तुषार पौनिकर ने बच्चों के लिए बने कानून की जानकारी दी।

इस अवसर पर कलेक्टर चिन्मय गोतमारे द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के पोस्टर का विमोचन किया गया। सभाला जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तुषार पवनीकर, जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजानन गोबडे, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष देवका खोबरागड़े, इंडियन सोशल वेलफेयर सोसायटी के निदेशक अशोक बेलेकर, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य वंदना दुबे, बाल कल्याण समिति सदस्य सर्वश्री मनोज रहांगडाले, अलका बोकड़े, जयश्री कपगते, वर्षा हलमारे, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य मेघना गभाने, जिला उद्योग केंद्र प्रबंधक कुणाल गुंडचिवर, आईएसडब्ल्यूएस जिला समन्वयक ज्ञानेश्वर पटले, चाइल्डलाइन केंद्र समन्वयक विशाल मेश्राम सहित शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, समाज कल्याण, जिला बाल संरक्षण विभाग के सेल एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अवैद्य शराब विक्रेता को किया पुलिस के हवाले

गोरेगांव- सोनी गांव में शराब बंदी होने के बावजूद भी शराब की बिक्री की जाती है। इसकी जानकारी पुलिस को होने के बाद भी वे इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस कारण ग्रामीणों में रोष निर्माण हो गया है। इस दौरान 18 अगस्त को ग्रामीणों ने एक अवैध शराब विक्रेता को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। शराब के कारण अनेक परिवारों में विवाद हो रहे है। युवा पीढी भी शराब पीने के शौकीन हो गए है। इन सब समस्याओं को देखते हुए ग्राम सोनी में शराब बंदी की गई है। फिर भी कुछ अवैध शराब व्यवसायी अवैध तरीके से ग्राम में शराब की बिक्री कर रहे है। यह सब गोरेगांव पुलिस के सामने हो रहा है फिर भी वे इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। जिसके कारण अवैध शराब विक्रेता बेखौफ शराब की बिक्री कर रहे हैं। 18 अगस्त को ग्रामीणों ने एक अवैध शराब विक्रेता को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। सोनी के बीट जमादार एवं दो पुलिस कर्मचारियों के सहयोग से ग्रामीणों ने अवैध शराब विक्रेता को पुलिस के हवाले किया। इस दौरान तुरत में पंचनामा किया गया।

6 वर्ष की मासूम से दुष्कर्म आरोपी महेश टेम्भुरने को 30 साल का सश्रम कारावास

बुलंद गोंदिया। वर्ष 2021 में जिले के अर्जुनी मोरगाँव तहसील के केशोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक 6 साल की मासूम बच्ची से हुई दरिंदगी के मामले पर मुख्य जिला एवं विशेष सत्र न्यायालय ने 18 अगस्त 2023 को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी को 30 वर्ष का कठोर कारावास एवं 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अर्जुनी-मोरगांव तहसील के केशोरी पुलिस स्टेशन के तहत 6 साल की बच्ची पर आरोपी महेश टेम्भुरने (32) ने बुरी नियत डालकर अत्याचार किया था। आरोपी उसी गांव का होने से और जान पहचान का होने से उसने उसका गलत फायदा उठाकर इस दरिंदगी को अंजाम दिया।घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 अक्टूबर 2021 को 6 साल की मासूम बच्ची पड़ोस में अपने चाचा के घर पर अकेली झूला झूल रही थी. आरोपी ने उसे अकेला देखकर चॉकलेट का लालच दिया और घर के पीछे संडास के गड्ढे में ले गया। चॉकलेट के बदले आरोपी ने बालिका को 10 रुपए का नोट देकर उसके साथ दरिंदगी

की। इस घटना के बाद बच्ची रोती हुई घर आई। उसकी माँ ने उससे पूछा कि वह क्यों रो रही है तो उसने घटना की जानकारी दी। पीड़िता की मां ने 27 अक्टूबर 2021 को आरोपी के खिलाफ थाना केशोरी में शिकायत दर्ज कराई।

मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप इंगले ने की. आरोपी के वकील और अतिरिक्त सरकारी वकील कैलाश खंडेलवाल के बीच हुई विस्तृत दलीलों के बाद, मुख्य जिला और विशेष सत्र न्यायाधीश ए. टी. वानखेड़े ने आरोपी महेश टेम्भुरने (32) के खिलाफ सरकारी पक्ष द्वारा प्रस्तुत गवाहों की गवाही, मेडिकल रिपोर्ट, अन्य दस्तावेजी साक्ष्य को ग्राहय मानते हुए आरोपी को 30 वर्ष की सजा तथा 10 हजार रुपए दंड की सजा सुनाई।

बीमार बेटे से मिलने गई मां को पीटा

गोंदिया-पति के पास रहने वाले अपने बीमार बच्चे से मिलने गई महिला के साथ ससुराल वालों ने मारपीट की. यह घटना सालेकसा थानांतर्गत ग्राम कावरायांध में 18 अगस्त को शाम 6 बजे हुई सीमा सेवकदास लिल्हारे (27) अपनी सहेली सीमा नागपुरे के साथ यहां गई थी. उस दौरान आरोपी सेवकदास लिल्हारे, गोपालदास लिल्हारे (52), संपतिवार्ड गोपालदास लिल्हारे (53) एवं ओमप्रकाश गोपालदास लिल्हारे (34) ने महिला को रॉड से मारकर घायल कर दिया, पति सेवकदास लिल्हारे (32) का व्यवहार ठीक न होने से सोमा कावराबाध के खोलगढ़ में अपने मायके में छोटे बच्चे के साथ रह रही है बड़ा बेटा आयुष पिता के पास रहता है. पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया.

जल रहा है मणिपुर, कैसे मनाएंगे उत्सव आदिवासी संगठनो ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का निषेध

बुलंद गोंदिया-एक ओर मणिपुर में आदिवासियों पर अन्याय-अत्याचार किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराया जा रहा है। अब ऐसे महोत्सव का विरोध आदिवासी संगठनों द्वारा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 20 अगस्त को नवेगांवबांध व अर्जुनी मोरगांव में आयोजित आदिवासी सांस्कृतिक उत्सव को रद्द किया जाए इस तरह की मांग का पत्र तहसीलदार को सौपा गया है। इस संदर्भ में जानकारी दी गई कि सांस्कृतिक मंत्रालय दिल्ली द्वारा आयोजित भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्र में सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में आदिवासी सांस्कृतिक महोत्सव को भी शामिल किया गया है जिसमें नृत्य तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। अर्जुनी मोरगांव व नवेगांवबांध में 20 अगस्त को आदिवासी सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया है। लेकिन आदिवासी संगठनो द्वारा मांग की गई है

कि मणिपुर तथा अन्य राज्यों में आदिवासियों पर अन्याय-अत्याचार किया जा रहा है और ऐसे में आदिवासी समूह कैसा उत्सव मना सकता है। इसलिए इस महोत्सव का आदिवासी संगठनो द्वारा निषेध कर इस महोत्सव को रद्द किया जाए इस तरह की मांग की गई है। मांग का पत्र अर्जुनी मोरगांव तहसीलदार को सौपा गया है। इस दौरान राष्ट्रीय आदिवासी महिला महासंघ, राष्ट्रीय आदिवासी जन महासंघ, राष्ट्रीय आदिवासी कर्मचारी महासंघ, गोंडवाना संघर्ष समिति, आदिवासी हलबी असोसिएशन, बिरसा मुंडा सेवा समिति के प्रतिनिधि डिंपल पंधरे, सभापति सविता कोडापे, पार्षद शीला उइके, भाग्यश्री सयाम, छाया टेकाम, राजकुमार गेडाम, किशोर पेंदाम आदि उपस्थित थे।

आंदोलन के बाद घाटटेमनी ग्रापं में बोरवेल सुधार की शुरुआत

बुलंद गोंदिया। आमगांव पंचायत समिति के घाटटेमनी ग्राम पंचायत कार्यालय पर जंगीटोला के आदिवासी ग्रामीणों ने पेयजल की मांग को लेकर गत 15 अगस्त को मोर्चा खोल आंदोलन किया। इसके बाद घाटटेमनी ग्राम पंचायत प्रशासन ने 17 अगस्त को जंगीटोलावासियों को पानी की व्यवस्था के लिए बंद बोरवेलो की दुरूस्ती करने के काम की शुरूआत कर दी है। लेकिन ग्रामीणो में चर्चा है कि जब तक आंदोलन नहीं करते तब तक कोई समस्या ग्राम पंचायत द्वारा हल नहीं की जाती। हर समय समस्या का निपटारा करने के लिए क्या ग्रामीणों को आंदोलन करना पडेगा? जनता की समस्याओं की ओर ग्राम पंचायत प्रशासन ने प्रमुखता से ध्यान देना चाहिए। जंगीटोला ग्राम पूर्ण रूप से आदिवासी बहुल ग्राम है। यह घाटटेमनी ग्राम पंचायत के नियंत्रण में आता है। इस ग्राम के विकास तथा ग्रामीणों को शुद्ध पानी की व्यवस्था एवं अन्य सुविधा देने की जिम्मेदारी घाटटेमनी ग्राम पंचायत पर है। क्योंकि घर टैक्स व पानी का टैक्स ग्रामीणो से यहां वसूला जाता है लेकिन पिछले कई दिनो से जंगीटोलावासियों को पीने का पानी उपलब्ध नहीं हो रहा था। इसका मुख्य कारण यह था कि बोरवेल नादुरूस्त होकर सौर उर्जा पर चलने वाला उपकरण भी नादुरूस्त था। कई बार निवेदन तथा मांग ग्राम पंचायत प्रशासन से की गई थी कि पीने के पानी की व्यवस्था की जाए लेकिन इस ओर अनदेखी ही की जा रही थी। आखिरकार 15 अगस्त को ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत प्रशासन के खिलाफ आंदोलन कर पीने के पानी की मांग रखी। आंदोलन से घबराकर ग्राम पंचायत प्रशासन ने बंद बोरवेलो को दुरूस्त करने का काम 17 अगस्त से शुरू कर दिया है।

अधिकारी बनकर नहीं इंसानियत के नाते से काम करे - विधायक बच्चु कडू

दिव्यांग आपके द्वार के कार्यक्रम में दिव्यांगो को सामग्री का वितरण

बुलंद गोंदिया। दिव्यांगो के लिए काम करते समय अधिकारियो ने अधिकारी बनकर नहीं तो इंसानियत के नाते से काम करना चाहिए तब ही दिव्यांग व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंच पाएगी। उक्ताशय के विचार विधायक तथा दिव्यांग कल्याण विभाग के मुख्य मार्गदर्शक व अध्यक्ष ओमप्रकाश उर्फ बच्चु कडू ने व्यक्त किए है। वे गोंदिया जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से 17 अगस्त को गोंदिया में आयोजित दिव्यांग कल्याण विभाग दिव्यांगो के द्वार कार्यक्रम में दिव्यांगो को मार्गदर्शन करते हुए बोल रहे थे। इस दौरान समाज कल्याण सभापति पूजा अखिलेश सेठ, जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटील, गोंदिया नप के मुख्याधिकारी करण कुमार चव्हान, समाज कल्याण अधिकारी संजय गणवीर आदि उपस्थित थे। दिव्यांग आपके द्वार कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे की अध्यक्षता में विधायक बच्चु कडू के हस्ते किया गया। इस दौरान विधायक कडू ने दिव्यांगो को मार्गदर्शन करते हुए कहा कि जब तक दिव्यांगो की समस्या या शिकायतो का निपटारा नहीं होता तब तक इस अभियान को निरंतर शुरू रखा जाएगा। दिसंबर 2023 तक सभी दिव्यांग लाभार्थियो को योजना का लाभ पहुंचाना आवश्यक है। आगे कहा कि एक ओर अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है और दिव्यांगो को इस कालावधी में आवश्यक सामग्री नहीं मिलती तो यह प्रशासन के लिए गंभीर विषय है। दिव्यांगो की जानकारी तथा समस्या से अवगत कराने के लिए प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग की आशा सेविका तथा कर्मियों की मदद लेनी चाहिए। दिव्यांगो को आवास योजना का लाभ प्राथमिकता से देने के निर्देश भी प्रशासन को दिए है। यदि दिव्यांगो के लिए काम करना है तो अधिकारियो ने अधिकारी बनकर नहीं तो इंसानियत के नाते काम करना चाहिए तब ही दिव्यांगो को सभी योजना का लाभ समय पर दिया जा सकता है।

इस दौरान अनेक दिव्यांग लाभार्थियो को आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय गणवीर ने रखी। इस दौरान बड़ी संख्या में जिले के दिव्यांग उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधि अनुपस्थित दिव्यांग कल्याण आपके द्वार के कार्यक्रम की पत्रिका प्रकाशित की गई थी जिसमें पालकमंत्री सुधीर मुनगंटीवार, राज्य सभा सांसद प्रफुल पटेल, सांसद अशोक नेते, सांसद सुनिल मेंडे , विधान परिषद सदस्य अभिजित वंजारी, सुधाकर आडबाले, विधायक विजय रहांगडाले, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक सहसराम कोरोटे, विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, जिप अध्यक्ष पंकज रहांगडाले, उपाध्यक्ष यशवंत गणवीर, समाज कल्याण सभापति पूजा अखिलेश सेठ, जिप सभापति सविता पुराम, सभापति संजय सभापति रूपेश कुथे इन जनप्रतिनिधियों के नामो का समावेश था लेकिन इनमें से एकमात्र समाज कल्याण सभापति समाज कल्याण सभापति पूजा अखिलेश सेठ इस कार्यक्रम में उपस्थित रही। जिससे उपरोक्त कार्यक्रम में अनुपस्थिति को देखते हुए चर्चा चल रही थी कि दिव्यांगों के प्रति जिले के जनप्रतिनिधि कितने गंभीर है।

कार्यक्रम में असुविधा अंबार दिव्यांग कल्याण विभाग आपके द्वार आयोजित कार्यक्रम में जिले के सैकड़ों की संख्या में दिव्यांग शामिल हुए थे। लेकिन आयोजित कार्यक्रम में असुविधा देखने को मिली। दिव्यांगो तक पीने का पानी भी नहीं पहुंच पाया क्योंकि इस कार्यक्रम में ऐसे दिव्यांग व्यक्ति शामिल हुए थे कि किसी को सुनाई नहीं देता था तो किसी को दिखाई नहीं देता था। यहां कि कुछ दिव्यांगो को अभिभावको ने अपने पाल्यो को कंधां पर उठाकर कार्यक्रम में उपस्थित कराया था। लेकिन उन तक जो सुविधा पहुंचाई जानी थी वे सुविधा उन तक नहीं पहुंच पाई मजबुरन अनेक दिव्यांगो को कार्यक्रम हॉल के बाहर ही रहना पड़ा। कार्यक्रम में असुविधा को देखते हुए विधायक बच्चु कडू ने भी नाराजगी व्यक्त की।

दिव्यांगो को मिलेंगे स्वतंत्र आवास योजना के आशियाने विधायक कडू ने दी जानकारी

बुलंद गोंदिया। दिव्यांगो को सरकार की हर योजना का लाभ मिले इसके लिए सरकार द्वारा दिव्यांग विभाग आपके द्वार नामक अभियान चला रही है। इसी कड़ी में दिव्यांग कल्याण विभाग के अध्यक्ष व विधायक बच्चु कडू ने जानकारी दी कि दिव्यांगो के लिए भी एक स्वतंत्र आवास योजना शुरू करने का विचार चल रहा है। जिससे लाभार्थी दिव्यांगो को आवास योजना का लाभ जल्द ही मिलेगा। इस तरह की जानकारी यहां आयोजित दिव्यांग विभाग आपके द्वार आयोजित कार्यक्रम में विधायक बच्चु कडू ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालो के जवाब में बताया। गौर तलब हे कि जिस तरह से सरकार द्वारा आदिवासियो के लिए शबरी, अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए रमाई, घुमंतु जनजातियो के लिए वसंतराव नाईक आवास योजना चलाई जाती है। इस योजना के तहत उपरोक्त सभी लाभार्थियो को आवास योजना का लाभ दिया जाता है। लेकिन दिव्यांगो को लाभ देते समय कुछ समस्या सामने आ जाती है। दिव्यांग व्यक्तियों को शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। हाल ही में ओबीसी प्रवर्ग के लाभार्थियों के लिए केंद्र व राज्य शासन ने मोदी आवास योजना शुरू की है। ठीक इसी तर्ज पर दिव्यांगो के लिए भी एक स्वतंत्र आवास योजना शुरू करने का विचार है। दिव्यांग कल्याण विभाग के अध्यक्ष तथा विधायक बच्चु कडू ने पत्रकारो को जानकारी देते हुए बताया कि दिव्यांगो के कल्याण के लिए स्वतंत्र आवास योजना शुरू की जाएगी जिसका नाम संत गाडगेबाबा या आनंद दिघे रखा जा सकता है।

संपादकिय...

इनक्रेडिबल इंडिया

चंद्रयान-3 ने इतिहास रच दिया है। पूरी दुनिया की नजर भारत के चंद्रयान-3 मिशन पर थी। अब भारत दुनिया का पहला ऐसा देश बना गया है, जो चांद के साउथ पोल पर पहुंचा है। इस कामयाबी के लिए इसरो की जितनी तारीफ की जाए वो कम है। चंद्रयान-3 की चांद पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर भारत ने इतिहास तो रच दिया है। इसरो को, इस मिशन में लगी पूरी टीम को ही नहीं देश की पूरी वैज्ञानिक बिरादरी को इसके लिए जितनी बधाई दी जाए कम है। यह वास्तव में देश की उस वैज्ञानिक चेतना और सूक्ष्म दृष्टि का कमाल है, जो तमाम बाधाओं के बावजूद पिछले 61 साल से हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम आगे बढ़ता रहा है। हमने पहले चांद पर पानी खोजा और अब चांद के दूसरे सिरे पर भी पहुंच गए। निश्चित रूप से यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और अंतरिक्ष अनुसंधान के अगले चरण में इसका फायदा पूरी दुनिया को मिलेगा। इस मौके पर अपनी इस असाधारण, अभूतपूर्व उपलब्धि पर गर्व करते हुए उन बाधाओं पर भी एक नजर डाल लेना उचित होगा, जिनके बावजूद हमने यह लक्ष्य हासिल किया और जिनके हटने से आगे हमारी रफ्तार कई गुना तेज हो सकती है। इस लिहाज से पहला फैक्टर तो बजट ही दिखता है। हम अक्सर इस बात पर गर्व करते रहे हैं कि हमारे वैज्ञानिक कितने कम खर्च में शानदार काम कर रहे हैं। इस बार भी बताया जा रहा है कि चंद्रयान-3 को चांद पर पहुंचाने की लागत हॉलिवुड की हाल में रिलीज हुई फिल्मों- ओपनहाइमर और बार्बी- से कितनी कम है। लेकिन यह नहीं सोचते कि आखिर कम से कम खर्च में काम चलाने की मजबूरी हमारे वैज्ञानिकों की संभावना को कितना प्रभावित करती होगी। 2023-24 में स्पेस एक्टिविटीज के लिए आवंटित बजट 12,544 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल यानी 2022-23 के मुकाबले 8 फीसदी कम है। ध्यान रहे, इसरो की कमाई का मुख्य जरिया इसके सैटलाइट लॉन्चर्स हैं। जुलाई 2023 तक इसरो ने 36 देशों के 431 सैटलाइट लॉन्च किए हैं। जुलाई 2022 तक विदेशी सैटलाइट की लॉन्चिंग से इसरो को कुल 22.3 करोड़ डॉलर की कमाई हुई है। वह भी तब, जब भारत रॉकेट लॉन्च करने की क्षमता से लैस टॉप 10 देशों में शामिल है। आज की तारीख में ग्लोबल स्पेस इकॉनमी में भारत की हिस्सेदारी महज 2 फीसदी है। सरकार का लक्ष्य है कि दशक के अंत तक मार्केट के 9 फीसदी हिस्से पर कब्जा हो जाए। इस संदर्भ में एक कंसल्टिंग फर्म आर्थर डी लिट्ल का यह आकलन गौर करने लायक है कि मौजूदा रफ्तार से 2040 तक भारत की स्पेस इकॉनमी 40 अरब डॉलर की होगी। लेकिन संभावनाओं की बात की जाए तो भारत में 2040 तक 100 अरब डॉलर की स्पेस इकॉनमी बनने की क्षमता है। जाहिर है, यही वक्त है जब इसरो को अपनी महत्वाकांक्षाओं को फिर से नापने की और सरकार को इस काम में उसकी हर संभव मदद करने की जरूरत है। ताजा उपलब्धि से इसरो की राह में अवसरों की लाइन लगनी तय है, अहम सवाल यह है कि क्या इसरो और भारत उन अवसरों का सही इस्तेमाल करने की स्थिति में होगा?

गांजा पीने वाले 11 लोगों पर मामला दर्ज तीन थाने की पुलिस की कार्रवाई

गोंदिया-जिलेभर में 20 अगस्त को गांजा पीने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया. गोंदिया शहर, रामनगर और डुग्गीपार के तीन पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत 11 गांजा पिने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई. गोंदिया शहर थाने के तहत आसाराम बापू आश्रम के पास शिवाजीनगर निवासी धर्मवीर उर्फ बिट्टू बल (21) गांजा पी रहा था. उसे हवलदार सुदेश टेंभरे ने पकड़ा. दूसरी कार्रवाई हवलदार जागेश्वर उइके ने शाम 7 बजे मोक्षधाम के सामने रोड पर फुलचूर के विट्ठल चौक वार्ड नंबर 1 के अमित मस्करे (22) को पकड़ा. तीसरी कार्रवाई हवलदार छत्रपाल ने गड्डाटोली स्थित रेलवे इलेक्ट्रीशियन कार्यालय के पास सावराटोली निवासी आरोपी अल्ताफ मीर अली सैयद (22), गोविंदपुर निवासी बॉबी चव्हाण (28), बड़ा हनुमान मंदिर निवासी विशाल शहारे (30) को गांजा पीते हुए पकड़ा. चौथी कार्रवाई में रामनगर थाने के तहत जे.एम. स्कूल के पिछवाड़े में चिलम पी रहे तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. आरोपी पुनाटोली निवासी अरविंद कागदे (26), कन्हारटोली निवासी रोशन भोयर (24) और नर्मदा मंदिर निवासी कुणाल रंगारी (28) को हवलदार राजेश भूरे गांजा पिते हुए पकड़ा. डुग्गीपार थाने के तहत कवलेवाड़ा परिसर में कोदामेडी निवासी आरोपी हिमांशु बोरकर (27), अनिकेत बडोले (24) व सड़क अर्जुनी निवासी प्रतिक गजभिये (23) को गांजा पीते हुए पकड़ा गया.

प्रधानमंत्री सड़क योजन के तहत बनी सड़क बेहाल, पुलिया हुआ जर्जर

गोरेगांव-तहसील में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बने अधिकतर निर्माण कार्य इन दिनों चर्चा में है. जिसमें हिरडामाली-मोहगांव मार्ग पर स्थित पुल निर्माण तथा भडंगा-कन्हारटोला सड़क निर्माण कार्य शामिल है. संबंधित विभाग की अनदेखी से इस वर्ष हुए निर्माण कार्य की पोल अब खुलने लगी है जिसकी जांच की मांग नागरिकों द्वारा उठाई जा रही. उल्लेखनीय है कि गोरेगांव तहसील में इस वर्ष मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अनेक निर्माण कार्य हुए हैं जिसमें अधिकतर निर्माण कार्य घटिया दर्जे से तैयार किए गए हैं. यहां योजना के तहत हिरडामाली- मोहगांव-बोरीटोला मार्ग पर पुलिया का निर्माण किया गया है. जिसमें यहां स्थित डामरीकरण कुछ ही महीनों में धंसने लगा है. साथ ही पुलिया के इर्द-गिर्द बड़े पैमाने पर गहरे गड्ढे तैयार हो गए हैं. किसानों के खेतों में पानी ठहर नहीं रहा है, यहां पानी मिट्टी के साथ पुलिया के भीतर जा रहा. ऐसे में किसान भी परेशान है. ऐसा ही एक उदाहरण भडंगा - कन्हारटोला सड़क पर देखा जा सकता है.

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हाल ही में सड़क निर्माण कार्य हुआ है लेकिन कुछ ही महीने में निर्माण कार्य की पोल खुल रही है. कुछ ठिकानों पर डामरीकरण पूरी तरह उखड़ गया है. उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत तैयार किए गए अधिकतर निर्माण कार्यों में यह शिकायत आ रही है. यहां ठेकेदार व संबंधित विभाग के बीच मिलिभगत होने की चर्चाएं हैं. ऐसे में इस विषय पर संबंधित विभाग का कोई ध्यान नहीं है.

क्या समय पर मिलेगा 'खुशियों का राशन'?

गोंदिया-पिछले वर्ष राशन कार्ड धारकों की दिवाली को मधुर बनाने के लिए 'खुशियों का राशन' का वितरण किया गया था. इसके बाद राज्य सरकार ने हर त्योहार पर खुशियों का राशन देने की घोषणा की. इसके मुताबिक इस साल गुड़ी पड़वा के लिए राशन में चीनी, सूजी, चना दाल और पाम तेल देने का फैसला किया गया. इसलिए राशन लाभार्थियों में उत्साह का माहौल था. लेकिन गुड़ी पड़वा के बाद भी राशन नहीं मिला. अब सरकार ने गणेशोत्सव के दौरान खुशियों का राशन देने का ऐलान किया है. क्या समय पर मिलेगा खुशियों का राशन? ऐसा सवाल जिले के 2.36 लाख राशन कार्ड लाभार्थी कर रहे हैं. राज्य में शिंदे सरकार आने के बाद दिवाली के दौरान खुशियों का राशन देने का ऐलान किया गया था. लेकिन उस समय योजना की कमी दिखाई दी. राज्य में कई लाभार्थियों को दीवाली के बाद ही कीट प्राप्त हुआ. इसमें एक-एक किलो चीनी, सूजी, चना दाल और पाम तेल था. साथ ही इसकी कीमत 100 रु. तय की गई. तब सरकार ने घोषणा की कि अंत्योदय और एपीएल किसान राशन कार्ड धारक परिवारों को हर त्योहार पर 'खुशियों का राशन' वितरित किया जाएगा. गुड़ीपड़वा को भी ये चारों चीजें 100 रु. में मिलने वाली थीं. जिससे लाभार्थियों में खुशी व्याप्त हो गई थी. लेकिन राशन गुड़ीपड़वा के त्यौहार तक भी नहीं पहुंच पाया था. जिले में 2 लाख 36 हजार 363 राशन कार्ड लाभार्थी हैं. इसमें अंत्योदय, वरीयता समूह राशन कार्ड लाभार्थी परिवार शामिल हैं. आपूर्ति विभाग ने भी कीट की डिमांड दर्ज कराई थी. इस बीच, गणेशोत्सव एक महीने दूर है. वहीं इस बार सरकार की ओर से गणेशोत्सव के दौरान खुशियों का राशन देने का फैसला लिया गया है. इसलिए लाभार्थी अब पूछ रहे हैं कि क्या गणेशोत्सव के दौरान भी उन्हें यह राशन समय पर मिलेगा.

चिचगड.-ककोडी मार्ग मना जानलेवा

देवरी-तहसील में चिचगढ़ से काकोडी तक मुख्य सड़क बहुत खराब स्थिति में है. सड़क पर गड्ढे होने से आवागमन करने वाले नागरिकों व वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इसलिए इस सड़क पर सफर करना खतरनाक होता जा रहा है. लेकिन संबंधित प्रशासन व जन प्रतिनिधियों ने इस सड़क की मरम्मत की ओर अनदेखी की है. चिचगढ़ से काकोडी सड़क तहसील के प्रमुख मार्गों में से एक है. इस सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे पड़ गए हैं. गड्ढों से बचते हुए और कभी-कभी गड्ढों में सड़क ढूंढने के लिए नागरिकों को, काफी परेशानी होती है. गड्डों से बचने के दौरान कई बाइक चालक संतुलन बिगड़ने से गिरकर घायल हो चुके हैं. इस चिचगढ़- काकोड़ी मुख्य मार्ग के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों की सड़कें भी बदहाल हैं. सड़कों के साथ-साथ अंदरूनी सड़कों पर भी बड़े-बड़े गड्ढे हैं. वाहन चालकों का कहना है कि कई दिनों से सड़कों पर गड्ढे खुली आंखों से दिखाई देने के बावजूद संबंधित विभाग व जिला परिषद क्षेत्र के प्रतिनिधि जानबूझ कर गड्ढों को भरने में लापरवाही बरत रहे हैं. यह चिचगड़- काकोड़ी जिला परिषद क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं से भी उपेक्षित है. इस सड़क की स्थिति काफी दयनीय हो गई है और यह सड़क जहां पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है वहीं जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं. स्थानीय नागरिकों ने इस सड़क की। मरम्मत के लिए संबंधित विभाग से शिकायत की. इस बीच निर्माण विभाग ने कुछ गड्डों को मिट्टी से भरने का दिखावा किया. लेकिन हाल की बारिश के कारण गड्डों की मिट्टी बह गई।

16 ग्रामों के जलजीवन की जांच शुरू

बुलंद गोंदिया-जलजीवन मिशन के तहत जिले के गांवों में करोड़ों रुपए निधि से काम किए जा रहे है। गोंदिया जिले की अर्जुनी मोरगांव व सड़क अर्जुनी तहसील के 16 जलजीवन गांवों की जांच करने राष्ट्रीय जल मिशन का दल 16 अगस्त को पहुंचा। इस दौरान जांच दल के अधिकारियो ने 16 ग्रामों में किए गए कामों की जांच पड़ताल की। इस संदर्भ में जानकारी दी गई कि हर-घर-नल, हर-घर-जल देने का लक्ष्य जलजीवन मिशन के तहत पुरा किया जा रहा है। जिले के अनेक ग्रामों में इस योजना के तहत जलजीवन के काम शुरू किए गए है। जिनमें से अधिकांश कामो को पूर्ण रूप भी दिया गया है। जिन ग्रामों में काम पूर्ण हुए है तथा चल रहे है ऐसे ग्रामों की जांच भी की जा रही है। 16 अगस्त को राष्ट्रीय जलजीवन मिशन की टीम अर्जुनी मोरगांव तहसील के परसटोला, गोठनगांव, रामपुरी, येरंडी, रामपुरी, जांभडी, बाराभाटी, दाभना, अरततोंडी, राजगुडा, मंदीटोला, पांढरवानी आदि गांवों की जांच पड़ताल की है। इस टीम में उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी गोविंद खामकर, कार्यकारी अभियंता सुमित बेलपत्रे, शाखा अभियंता प्रशांत टेंभुर्णीकर, आशिष अडमे, सूर्यकांत रहमतकर, राजेश उखलकर, शोभा फटिंग, तृप्ती साकुरे, मुकेश त्रिपाठी, हेमराज अंबुल, नितेश चचाने, गिरजाशंकर बघेले आदि का समावेश था।

रैगिंक कर माता-पिता का नाम खराब न करें : आव्हाड रैगिंग विरोधी और वाहन सुरक्षा के बारे में किया मार्गदर्शन

सड़क अर्जुनी - तहसील विधि सेवा समिति सड़क अर्जुनी और वकील संघ के तत्वावधान में शनिवार 19 अगस्त को स्थानीय एच. एंड टी. जूनियर कॉलेज में छात्रों के लिए रैगिंग विरोधी कानूनों और वाहन सुरक्षा पर कानूनी मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिवाणी और फौजदारी न्यायालय के न्यायाधीश डा. विक्रम आव्हाड़ ने की। मुख्य अतिथि एवं मार्गदर्शक के रूप में महामार्ग पुलिस मदद केंद्र डोंगरगांव/ यातायात पुलिस निरीक्षक प्रशांत भुते, एड. सुरेश गिरहेपुंजे, प्राचार्य एस. डब्ल्यू कुरेशी, सेवानिवृत्त शिक्षक आर. बी मिश्राम एवं अन्य उपस्थित थे। विक्रम आव्हाड ने महाराष्ट्र रेगिंग निषेध अधिनियम, 1999 की आठ धाराएं गिनाई और रेगिंग कानून के तहत क्या और कितनी सजा दी जा सकती है, इस बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों को सलाह भी दी कि उन्हें अपने माता-पिता और शिक्षकों का अपमान नहीं करना चाहिए। हमेशा किताबों को पढ़ना चाहिए। यातायात पुलिस निरीक्षक प्रशांत भुते ने दुर्घटना के कारणों को बताया और यातायात नियमों के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन दिया। बगैर लाइसेंस के वाहन ना चलाए। नियम तोड़ने पर जुर्माना भरना पड़ता है। इस दौरान विद्यार्थियों को यातायात चिह्न दिखाकर मार्गदर्शन किया । इसके अलावा एड. सुरेश गिरूहेपुंजे ने भी मार्गदर्शन किया। रैगिंग विरोधी व यातायात नियम पर विद्यार्थियों को जानकारी पत्रक वितरित किए गए। संचालन प्रा. आर. व्ही. करंडे ने किया तथा आभार प्राचार्य एस. डब्ल्यू. कुरैशी ने माना। सफलतार्थ लिकेश ठलाल, निशांत परिहार, यातायात विभाग के पुलिस हवलदार अतुल शिवणकर अमोल राऊत, एच. एंड. टी. जूनियर कॉलेज के प्रा. आर. व्ही. करंडे, प्रा. के. डब्ल्यू. साठवणे, प्रा. एच. सी. आई. गजभिये, प्रा.ए. बी. कोल्हे, प्रा. एस. एस. रंगारी, प्रा. एन. आय रायपुरे, प्रा. एस. बी. गडपायले, एम. डब्ल्यू. कुरैशी, आरीफ खान, दमयंता सकत आदि ने प्रयास किया।

पॉस्को मामले में आरोपी बाइज्जत बरी

गोंदिया-मुख्य जिला व विशेष सत्र न्यायालय गोंदिया ने बच्चों के यौन अपराधों की रोकथाम अधिनियम मामले में 23 साल के आरोपी बल्ला उर्फ चंभरू नागपुरे को बाइज्जत बरी कर दिया.

सालेकसा थाने के तहत मौजा खड़खड़ीटोला निवासी पीड़िता ने सालेकसा थाने में शिकायत दर्ज कराई कि 21 मार्च 2017 को सुबह 9.30 बजे पीड़िता सालेकसा स्थित भारतीय स्टेट बैंक में पैसे निकालने गई थी. लेकिन उक्त बैंक बंद होने के कारण जब वह सालेकसा चौराहे पर आई तो अपनी सहेली से मिली और उसके साथ 5 से 10 मिनट तक बैठी. उसी समय उसके गांव में रहने वाला आरोपी बल्ला उर्फ चंभरू नागपुरे (23) वहां आया. उसे देखकर पीड़िता वहां से चली गई. बाद में जब वह मुरुमटोला रोड से अपने गांव जा रही थी, तो दोपहर 1 बजे आरोपी पीछे से अपनी मोटरसाइकिल से आया और पीड़ित की साइकिल के सामने अपनी मोटरसाइकिल रोक दी और पीड़ित से कहा कि तुम मुझसे बात क्यों नहीं कर रही है? साथ ही उसने पीड़िता को खींचकर उसका हाथ पकड़ लिया. तब पीड़िता ने उससे कहा कि मैं अपने माता-पिता को तुम्हारा नाम बताऊंगी और आरोपी भाग गया. शिकायत के अनुसार पुलिस ने धारा 354, 354 अ, ड भादंवि व धारा 7, 8, 11, 12 पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर गोंदिया न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया. इसके बाद पीड़िता की ओर से कोर्ट में गवाहों के बयान दर्ज कराए गए. सरकारी वकील और आरोपी के वकील एड. शबाना अंसारी की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने आरोपी को बाइज्जत बरी कर दिया.

हर माह वितरित किया जा रहा 2 करोड़ 10 लाख रु.का अनुदान

अर्जुनी मोरगांव तहसील में निराधार योजना के 14 हजार लाभार्थी

अर्जुनी मोर -केंद्र व राज्य सरकार के नाध्यम से चलाई जा रही निराधार योजना में अर्जुनी मोरगांव तहसील में 14 हजार 8 लाभार्थी हैं। उन्हें हर माह में 2 करोड़ 10 लाख 12 हजार रुपए का अनुदान वितरित किया जा रहा है। बीते अनेक वर्षों से देश में निराधार अनुदान वितरण योजना शुरू है। इस योजना में केंद्र व राज्य सरकार मिलकर अनुदान देती है। शुरुआत में उक्त योजना से निराधार लाभार्थियों को 600 रुपए हर माह अनुदान दिया जाता था। पूर्व सामाजिक न्याय व विशेष सहाय मंत्री राजकुमार बडोले के कार्यकाल में 400 रुपए बढ़ोतरी होने से लाभार्थियों को 1 हजार रुपए प्रतिमाह अनुदान मिलता था। अब शिंदे, फडणवीस सरकार ने इस अनुदान में 500 रुपए की बढ़ोतरी करने से जुलाई 2023 से प्रति निराधार को, 1500 रुपए अनुदान दिया जा रहा है। कुल 9 योजनाओं से निराधारों का चयन किया जाता है। अर्जुनी मोरगांव तहसील में इंदिरा गांधी वृद्धापकाल योजना में 5 हजार 35 लाभार्थी, इंदिरा गांधी विधवा योजना में 1772 लाभार्थी, इंदिरा गांधी अपंग योजना मे 11 लाभाथी मजयी साधारण योजना में 1860 लाभार्थी, संजय गांधी अनुसूचित जाति योजना में 785 लाभार्थी, संजय गांधी अनुसूचित जनजाति योजना में 374 लाभार्थी, संजय गांधी सर्वसाधारण योजना में 1860 लाभार्थी, संजय गांधी अनुसूचित जाति योजना में 785 लाभार्थी, संजय गांधी अनुसूचित जनजाति योजना में 374 लाभार्थी, श्रावणबाल सर्वसाधारण, योजना में 2821 लाभार्थी, श्रावणबाल अनुसूचित योजना में 722 लाभार्थी, श्रावणवाल अनुसूचित जनजाति योजना में 476 लाभार्थी इस प्रकार कुल 14 हजार 8 लाभार्थियों का समावेश है। इन सभी लाभार्थियों को राज्य व केंद्र सरकार की और से हर माह अनुदान दिया जाता है। अर्जुनी मोरगांव तहसील में अब जुलाई 2023 से प्रति लाभार्थी डेढ़ हजार रुपए प्रति माह के तौर पर 2 करोड़ 10 लाख 12 हजार रुपए अनुदान वितरित किए जाने की जानकारी तहसीलदार अनिरुद्ध कांबले ने दी है।

जनशिक्षण में पंच प्रण की ली गई शपथ

गोंदिया-जन शिक्षा संस्थान में म्युनिस्पिल हाईस्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक देवलाल चव्हाण की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया. उद्घाटन पूर्व अध्यक्ष सम्राटकुमार पाल ने किया सहसचिव बी. जी. ढोरे, संचालक विनायक डोंगरवार, लोक कल्याण शिक्षा संस्थान अध्यक्ष रेशमा पाल, बीजोएम सदस्य मैथुला बिसेन, विनोद जांगडे, हेमंत उपयशी, जीवनज्योति रघुवंशी, रूपाश्री पाल, विवेक करोले अतिथि के रूप में उपस्थित थे, कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजवंदन, मां सरस्वती, डॉ. बाबासाहेव आवेडकर, महात्मा गांधी की प्रतिमा पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के बाद ध्वजारोहण से हुई, इस दौरान मेरी माटी मेरा देश के तहत प्रतिज्ञा ली गई. संस्थान की प्रशिक्षणार्थियों ने देश भक्ति गीत पेश किए कार्यक्रम की सफलता के लिए रामसुनिशा पठान, सुरेखा मेश्राम श्रद्धा देशमुख, गायधने केराय मेश्राम, रीना डोंगरवार, सुरेन्द्र वाडेगावकर, अजय सवसकर, नंदिनी गणवीर, वर्षा मस्के, प्रक्षय कुमराम, निर्मल ठाकुर सुनंदा ठाकुर एवं तैलेष भरवे ने परिश्रम किया

23 हजार सांपो को जीवनदान देने में सर्प मित्र बंटी कामयाब

बुलंद गोंदिया। नागपंचमी पर सांपो का बड़ा महत्व होता है। हिंदू धर्म में नागपंचमी के दिन सांपो की पूजा कर नागपंचमी मनाई जाती है। लेकिन जब भी किसी के घर में या परिसर में सांप दिखाई देता है तो लोग उसे मारने का प्रयास करते है। जिससे कई बार सांपो की मृत्यु हो जाती है। लेकिन गोंदिया शहर के प्रणय उर्फ बंटी शर्मा नामक सर्प मित्र ने पिछले 12 वर्ष में 23 हजार से अधिक सांपों का रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें जीवनदान दिया है। बता दें कि हिंदू धर्म में भगवान भोलेनाथ के गले में नाग लिपटा होने के कारण सांप की पूजा की जाती है7 साल में एक दिन नागपंचमी का त्यौहार मनाया जाता है लेकिन ऐसे कई मामले सामने आए है कि सांप दिखाई देने पर सांपो को सुरक्षित स्थान पर छोड़ने के बजाए उसे मारने का प्रयास किया जाता है। इस दौरान जब सांप असुरक्षित हो जाता है तो दंश करने के लिए आगे बढ़ जाता है इस तरह की भी घटनाएं देखी गई है। जबकि सांप को किसान अपना मित्र भी मानते है। इसके पीछे का कारण यह है कि जब किसान अपने खेतो में फसल लगाता है तो चूहो की प्रजाति फसलो को नुकसान पहुंचाती है7 ऐसे चूहो का शिकार कर सांप उसे निगल लेता है। इसलिए सांप को किसान अपना सुरक्षारक्षक मानता है। लेकिन अब धीरे-धीरे नागरिको में जागरूकता निर्माण होने लगी है। सांप दिखाई देने पर उसे मारने की बजाए सर्पमित्रो की मदद से उसे पकड़कर किसी सुरक्षित स्थान पर छोडने के प्रयास में रहते है। ऐसे ही एक गोंदिया शहर के प्रणय पार्थ उर्फ बंटी शर्मा सर्प मित्र के रूप में जाने जाते है। शहर में ही नहीं तो जिले के किसी भी स्थान पर सांप को पकड़ना हो तो सर्पमित्र बंटी शर्मा को सूचना दी जाती है और सूचना मिलते ही दिन हो या रात, बारिश हो या कोई भी मौसम

बिना समय गवाए वे घटना स्थल पर पहुंच जाते है। बंटी शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 12 वर्षो से सांपो को बचाने का काम निस्वार्थ रूप से कर रहा हूं7 अब तक इस कालावधी में लगभग 23 हजार से अधिक विभिन्न प्रजाति के सांपो का वे रेस्क्यू ऑपरेशन कर टीम की मदद से सुरक्षित जंगल में छोड़ा है।

दो माह में 30 से अधिक को सर्पदंश, 2 की मृत्यु

बारिश के मौसम में बिलो से सांप निकलते है। असुरक्षित होने पर वे दंश भी करते है। बताया गया है कि जुलाई माह में 16 व अगस्त माह में 13 सर्पदंश की घटनाएं सामने आई है। जिनमें से दो की उपचार के दौरान मृत्यु हुई है। गोंदिया मेडिकल प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि सर्पदंश की घटनओं के पीडितो पर विशेषज्ञ डाक्टरो की टीम के माध्यम से उपचार किया गया। इस दो माह में 30 से अधिक मरीजो को उपचार कर ठीक किया गया है।

नैनो यूरिया और नैनो डीएपी (तरल) उर्वरक किसानों के लिए वरदान

बुलंद गोंदिया। जिले में इस समय खरीफ का मौसम चल रहा है और बड़ी मात्रा में धान, अरहर, मूंग, उदीद आदि फसलों की खेती की जा रही है. फसलों की समग्र वृद्धि के लिए मुख्य रूप से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पलाश के साथ-साथ अन्य पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। किसान भाइयों, फसल की नाइट्रोजन और फास्फोरस जैसी पोषक तत्वों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दानेदार यूरिया और डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों का उपयोग और मांग कर रहे हैं। दानेदार यूरिया और डीएपी अनुप्रयोगों से फसलों को केवल 30 से 40 प्रतिशत एन और 15 से 20 प्रतिशत पी मिलता है और बाकी हवा और पानी के माध्यम से दूर चला जाता है, और कुछ मिट्टी में बस जाता है। दानेदार यूरिया और डीएपी का उपयोग करके, आप अपनी रोपण लागत बढ़ा सकते हैं और फसल को पोषक तत्वों से नहीं भर सकते। दानेदार यूरिया और डीएपी का उपयोग भूमि, जल, वायु को प्रदूषित करता है और मिट्टी की उत्पादकता को कम करता है। साथ ही मिट्टी में लाभकारी जंतुओं का अस्तित्व भी खतरे में पड़ रहा है। चूँकि इन उर्वरकों का कच्चा माल देश में उपलब्ध नहीं है, इसलिए भारत सरकार को सब्सिडी पर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भी खर्च करनी पड़ती है, जिसका असर देश की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है।

इसके लिए भारत सरकार ने नए शोध के माध्यम से किसानों को नैनो उर्वरक - नैनो यूरिया (तरल) और नैनो डीएपी (तरल) उपलब्ध कराया है। नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी तरल रूप 500 मि.ली. है। पैकिंग में नैनो यूरिया में कुल वजन के हिसाब से 4 प्रतिशत नाइट्रोजन और नैनो डीएपी में 8 प्रतिशत नाइट्रोजन और 16 प्रतिशत फास्फोरस होता है। नैनो यूरिया एवं डीएपी के छिड़काव से फसलों को नाइट्रोजन एवं फास्फोरस उपलब्ध होता है। नैनो-उर्वरकों के छिड़काव के बाद, नाइट्रोजन और फास्फोरस बीज और जड़ों की सतह पर छिद्रों के माध्यम से पौधे में प्रवेश करते हैं और पत्ती कोशिकाओं की गुहाओं में जमा हो जाते हैं और फसलों की आवश्यकता के अनुसार पौधे को उपलब्ध होते हैं। अत: नाइट्रोजन एवं फास्फोरस जैसे पोषक तत्व फसलों को निर्धारित समय में सही मात्रा (86 प्रतिशत) में उपलब्ध होते हैं। इस नैनो विधि से उर्वरकों के संतुलित प्रयोग से भूमि, वायु एवं जल के मूल तत्वों को प्रदूषण से मुक्त रखा जा सकता है। खेती की लागत बचती है और फसल की पैदावार की गारंटी होती है।

नैनो उर्वरकों का प्रयोग - नैनो यूरिया (तरल) एवं नैनो डीएपी (तरल)

फसलों की विभिन्न अवस्थाओं पर दो बार छिड़काव करके नाइट्रोजन एवं फास्फोरस के खाद्य तत्वों की पूर्ति संभव है। दो से पांच मि.ली. नैनो उर्वरकों को एक लीटर पानी में मिलाकर फसल की प्रमुख वृद्धि अवस्था के अनुसार छिड़काव करना चाहिए। नैनो उर्वरकों के सर्वोत्तम प्रभाव के लिए पहला छिड़काव फसल के अंकुरण अवस्था में तथा दूसरा छिड़काव फसल के अंकुरण अवस्था से 7 से 10 दिन पहले करना चाहिए। छिड़काव सुबह के समय कम धूप और कम हवा की गति में करना चाहिए। मिट्टी को पूरी तरह से गीला करने और नैनो-उर्वरक को समान रूप से मिलाने के लिए पंप को एक फ्लैट पंखे या कटे हुए नोजल से स्प्रे करें। नैनो यूरिया/डीएपी का छिड़काव करना चाहिए। टपकते या बहते पानी के माध्यम से न दें।

रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग करके उर्वरक का उपयोग बढ़ाएँ

रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करने के लिए सबसे पहले अपनी भूमि की मिट्टी का परीक्षण कराना चाहिए तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करके नैनो उर्वरकों का उपयोग बढ़ाना चाहिए। आवश्यक बाल तत्वों की आपूर्ति के लिए संतुलित तरीके.. यह आह्वान जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी हिंदूराव चव्हाण एवं कृषि विकास अधिकारी महेंद्र मडामें ने किसानों से किया है।

उत्कृष्ट सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के लिए आकर्षक पुरस्कार 5 सितंबर तक करें ऑनलाइन आवेदन

बुलंद गोंदिया। जिले के सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को आकर्षक पुरस्कार दिये जायेंगे. इसके लिए जिला स्तर पर एक कमेटी का गठन किया गया है. इस समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी एवं सदस्य सचिव जिला योजना अधिकारी होते हैं। राज्य में पहले तीन विजेता नंबरों को क्रमश- पांच लाख, ढाई लाख और एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। जिला स्तरीय समिति द्वारा चयनित 44 सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों में से राज्य के प्रथम विजेताओं के अलावा शेष 41 सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को राज्य सरकार की ओर से 25-25 हजार रुपये का पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। चैरिटी आयुक्त और स्थानीय पुलिस के साथ पंजीकरण आवश्यक है। इस पुरस्कार के लिए सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के चयन के लिए विभिन्न मानदंड हैं। गणेश मंडल का अवलोकन एवं स्कोरिंग किया जाएगा। चैरिटी कमिश्नर के साथ पंजीकृत या स्थानीय पुलिस या स्थानीय स्व-सरकारी निकाय से अनुमति प्राप्त करने वाले सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए, सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को 5 सितंबर 2023 तक पी.एल.देशपांडे, महाराष्ट्र कला अकादमी, प्रभादेवी, मुंबई में ई-मेल आईडी mahfests.plda@gmail.com पर पंजीकरण कराना होगा। विजेताओं का चयन करने के लिए समिति की अध्यक्षता जिलाधिकारी कार्यालय मेंउपजिलाधिकारी रैंक के एक अधिकारी द्वारा की जाएगी। इसके अलावा समिति में सरकारी कला महाविद्यालय के कला प्रोफेसर, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी,

पुलिस अधिकारी सदस्य होंगे। जिला योजना पदाधिकारी सदस्य सचिव होंगे। चयन समिति महोत्सव स्थल का दौरा करेगी और बोर्ड से वीडियोग्राफी और दस्तावेज एकत्र करेगी। प्रत्येक गणेशोत्सव मंडल को जिला स्तरीय समिति के फीडबैक के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा। उक्त समिति चार जिलों अर्थात् मुंबई, मुंबई उपनगर, पुणे, ठाणे में से प्रत्येक से 3 सर्वश्रेष्ठ गणेशोत्सव मंडल और अन्य जिलों से 1 की सिफारिश करेगी और सभी दस्तावेजों के साथ उनके नाम राज्य समिति को सौंपेगी। इस संबंध में एक विस्तृत सरकारी निर्णय 4 जुलाई, 2023 को जारी किया गया है।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर जिला परिषद ने तंबाकू मुक्ति का संकल्प लिया

बुलंद गोंदिया। तंबाकू और तंबाकू उत्पादों के सेवन से उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह, मुंह का कैंसर जैसी कई बीमारियां होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2004 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हर साल तंबाकू और तंबाकू उत्पादों से होने वाली बीमारियों से आठ से नौ लाख लोगों की मौत हो जाती है। सरकार ने झंडा फहराने के बाद तंबाकू मुक्ति की शपथ लेने का निर्देश दिया था। . उसके अनुसार 15 अगस्त 76वें स्वतंत्रता दिवस पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तम्बाकू मुक्ति की शपथ दिलाई। उस समय जिला परिषद अध्यक्ष पंकज रहांगडाले, समाज कल्याण विभाग की सभापती श्रीमती पूजा अखिलेश सेठ, जिला ग्रामीण विकास निगम के परियोजना निदेशक . प्रमिला जाखलेकर, उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सामान्य प्रशासन विभाग नरेश भंडारकर, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी जनार्दन खोत्रे, बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय गणवीर, पंचायत विभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोविंद खामकर, स्वास्थ्य विभाग के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े, कृषि विकास विभाग के कृषि विकास अधिकारी महेंद्र कुमार मडामे , जिला पशुपालन अधिकारी डॉ. कांतिलाल पटले, शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) कादर शेख, शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) डॉ. महेंद्र गजभिये, निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता सुमित बेलपात्रे, लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता सत्यजीत राऊत, महात्मा ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीबी हरिनखेड़े, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. नितिन कापसे, वेद प्रकाश चौरगड़े, जिला महामारी अधिकारी डॉ. निरजंन

अग्रवाल, जिला आईईसी अधिकारी प्रशांत खरात, विस्तार अधिकारी सांख्यिकी श्रीमती वैशाली खोबरागड़े सहित जिला परिषद के सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शपथ पत्र में कहा, मैं तंबाकू, जर्दा, खर्रा के साथ-साथ बीड़ी, सिगरेट, ई-हुक्का, ई-सिगरेट के दुष्प्रभावों से अवगत हूं, जीवनभर इन व्यसनों से दूर रहने का संकल्प, अपना कार्यालय, अपना कार्यालय बनाने का संकल्प घर और अपने आस-पास को तम्बाकू मुक्त करने और दूसरों को भी तम्बाकू उत्पाद छोड़ने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। भारत सरकार के तंबाकू नियंत्रण अधिनियम 2003 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मेरे नेतृत्व में जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों, स्कूलों और सरकारी कार्यालयों को तंबाकू मुक्त और ई-सिगरेट मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया।

तम्बाकू अनुसंधान रिपोर्ट के अनुसार, राज्य भर में वयस्कों में धूम्ररहित और धूम्ररहित तम्बाकू के साथ-साथ तम्बाकू और तम्बाकू उत्पादों की खपत खतरनाक स्तर से ऊपर बढ़ रही है। विश्व युवा तंबाकू रिपोर्ट 2019 के अनुसार, राज्य में 5.1त्न छात्र तंबाकू और तंबाकू उत्पादों का उपयोग करते हैं, जिनमें से लड़कों में तंबाकू और तंबाकू उत्पादों के सेवन का प्रचलन 5.8त्न और लड़कियों में 4.4%है।

तम्बाकू और ई-सिगरेट को त्यागें और अच्छे स्वास्थ्य को अपनाएँ

लोगों में तंबाकू और तंबाकू से जुड़े उत्पाद जैसे जर्दा, खर्रा, बीड़ी, सिगरेट और हुक्का आदि का सेवन बढ़ रहा है। इसके कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक, लकवा जैसी बीमारियाँ दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। तम्बाकू का प्रभाव सिर से लेकर पैर के नाखूनों तक देखा जा सकता है। इसलिए, जिले के सभी संस्थानों, स्कूलों, सरकारी कार्यालयों, ग्राम पंचायतों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे इन व्यसनों से दूर रहने का संकल्प लें और तम्बाकू मुक्त गाँवों, कस्बों और मुहल्लों के लिए एक आंदोलन खड़ा करें। - **पंकज राहंगडाले, अध्यक्ष, जिला परिषद गोंदिया**

धूम्रपान और तम्बाकू के सेवन से होने वाली बीमारी और मृत्यु दुनिया भर में एक गंभीर समस्या है।

तम्बाकू में कई तरह के रसायन होते हैं। इसमें निकोटीन और कई अन्य हानिकारक और कैंसर पैदा करने वाले रसायन होते हैं। तंबाकू के पत्तों में मौजूद निकोटिन के कारण मतली, चक्कर आना, सिर भारी होना, उल्टी, पेट दर्द जैसी शिकायतें होती हैं। तंबाकू हमारे शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित कर सकता है। भारत में, तंबाकू के सेवन से होने वाले मुँह के कैंसर की घटनाएँ चिंताजनक हैं। गैर-संचारी रोगों में कैंसर, हृदय रोग, श्वसन रोग और मधुमेह शामिल हैं। तम्बाकू का सेवन इन बीमारियों के लिए एक जोखिम कारक है। पिछले कुछ वर्षों में गैर-संचारी रोगों का प्रचलन बढ़ रहा है।

अनिल पाटिल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद गोंदिया

तम्बाकू एवं तम्बाकू उत्पादों के दुष्प्रभाव-

तम्बाकू के स्वास्थ्य पर अनेक प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। तम्बाकू का प्रभाव सिर से लेकर पैर के नाखूनों तक देखा जा सकता है।

तम्बाकू से उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर और स्ट्रोक जैसी बीमारियाँ होती हैं।

गर्भावस्था के दौरान तंबाकू के सेवन से कुपोषण और जन्म के समय कम वजन हो सकता है।

लकवाग्रस्त गैस उन लोगों में अधिक आम है जो तम्बाकू का सेवन करते हैं।

चूँकि उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर जैसी बीमारियाँ जीवनशैली से संबंधित हैं, इसलिए आपको अपनी जीवनशैली में सुधार करने की आवश्यकता है।

कुछ निवारक उपाय

प्रतिदिन नियमित रूप से व्यायाम करना आवश्यक है। यह कम से कम पैंतीस मिनट तक चलना चाहिए।

आहार में तैलीय, नमकीन खाद्य पदार्थ जैसे अचार, पापड़ आदि का कम सेवन करना चाहिए।

समोसा, आलू वड़ा, मीठे खाद्य पदार्थ, शीतल पेय जैसे कोका कोला, पेप्सी आदि से बार-बार बचें।

चाय पीने पर नियंत्रण रखना चाहिए।

अपना वजन हमेशा नियंत्रण में रखें।

अपने भोजन में ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां तथा दालों का प्रयोग अधिक करना चाहिए।

30 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों को हर साल नियमित रूप से अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर की जांच करानी चाहिए। इससे हम मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर से बच सकते हैं।

वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र में विशाल तिरंगा यात्रा का ऐतिहासिक आयोजन

देशभक्ति की भावना व सामाजिक एकता का संदेश लेकर डोंगरमाली के सरपंच मनोज लिल्हारे के नेतृत्व में आयोजित

बुलंद गोंदिया। (आलोक सेन बालाघाट)- भारत के स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर स्वाधीनता दिवस समस्त देशवासियों द्वारा मनाया गया7 मेरी माटी मेरा देश, शहीदों को नमन अभियान के अंतर्गत वीर सपूतों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के इस अवसर पर वारासिवनी जनपद के ग्राम डोंगरमाली के सरपंच मनोज लिल्हारे के नेतृत्व में विशाल तिरंगा रैली आयोजित की गई जिसका शुभारंभ डोंगरमाली से होकर वारासिवनी, रामपायली, खैरलांजी व संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण करने के पश्चात डोंगरमाली में ही रैली का समापन किया गया।

गौरतलब है कि वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र के इतिहास में पहली बार स्वतंत्रता दिवस व वीर शहीदों को नमन करने हेतु विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन ग्राम डोंगरमाली के सरपंच मनोज लिल्हारे के नेतृत्व में किया गया जिसमें करीब 2000 से अधिक मोटरसाइकिल के साथ युवाओं के समूह ने अपनी भारी उपस्थिति दर्ज करवाई। उपरोक्त रैली का दृश्य इतना मनोरम था कि रैली मार्ग से जिस ओर निकलती उस ओर का परिसर तिरंगामय व देशभक्तिमय हो गया। इस संदर्भ में अधिक जानकारी देते हुए मनोज लिल्हारे ने बताया कि यह यात्रा सामाजिक एकता सौहाद्र व शहीदों को नमन करने के साथ ही स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कर संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण करने के साथ ही वीर शहीदों को याद किया जा रहा है। यह सम्मान यात्रा ग्राम डोंगरमाली से शुरुआत होकर संपूर्ण वारासिवनी से खैरलांजी, विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण किया7 यह यात्रा धार्मिक सामाजिक बंधुत्व भाईचारा आपसी प्रेम व देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत था7 जो क्षेत्र को एकता के सूत्र में बांधने का संदेश लेकर आगे बढ़ी7 इस ऐतिहासिक यात्रा के सफल आयोजन हेतु उन्होंने अपने क्षेत्र के साथ उन सभी देश प्रेमियों का भी आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने इस तिरंगा यात्रा में उपस्थित होकर यात्रा को भव्य और सफल बनाया7 साथ ही वीर सपूतों के प्रति सम्मान व्यक्त किया7 भले ही इस तिरंगा यात्रा की पृष्ठभूमि राजनीतिक नहीं थी किंतु मनोज लिल्हारे द्वारा निकाली गई इस विशाल यात्रा को लेकर आगामी विधानसभा चुनाव की राजनीति में भारी हलचल देखने को मिल सकती है। जिसकी चर्चा क्षेत्र की जनता द्वारा रैली के आयोजन के पक्ष की जा रही है।कुछ दिनों पूर्व ही मनोज लिल्हारे ने भी अपनी उम्मीदवारी को लेकर मीडिया में अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही जनता के मिल रहे भारी स्नेह जन समर्थन व जनाधार के चलते वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में आगामी भविष्य में राजनीतिक के बड़े उलट फेर देखे जा सकते हैं7 उपरोक्त रैली को सफल बनाने हेतु संदीप लिल्हारे, सरपंच नवेगांव बलराम मस्करे उप सरपंच नवेगांव विजय लिल्हारे सरपंच लोकेश खुड़साम सरपंच वीरेंद्र वाटकर रमेश पटेल दुलीचंद उपवंशी दुर्गा लिल्हारे उपाध्यक्ष जनपद खैरलांजी सुभाष क्षीरसागर सरपंच प्रतिनिधि प्रफुल्ल नागपुरे सरपंच भंडारा जतन खरे सरपंच रामकुमार नागपुरे, पवन चीखले, पवन डाहरे सरपंच पूर्व भानपुर वीरेंद्र नागपुरे रतिराम लिल्हारे रामप्रसाद अनकर अशोक लिल्हारे भारत शिवहरे मनीराम म्हात्रे लक्ष्मी दादरे कंकर नागपुरे कृष्ण लिल्हारे चंद्रहास म्हात्रे, सुरेश बीजेवार आदि ने विशेष सहयोग किया।

जनसामान्य व कार्यकर्ताओं की मांग रमेश भटेरे को दे विधानसभा की उम्मीदवारी- राणा कल्याण सिंह

बुलंद गोंदिया।(आलोक सेन बालाघाट)-बालाघाट जिले की लांजी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता व जन सामान्य के चाहते पूर्व विधायक रमेश भटेरे को आगामी विधानसभा की उम्मीदवारी देने की जन सामान्य ने की है मांग यदि रमेश भटेरे को उम्मीदवारी नहीं दी जाती तो इसके चलते जन सामान्य व कार्यकर्ताओं में आक्रोश निर्माण हो रहा है। तथा भटेरे को उम्मीदवारी देने की मांग भाजपा विधानसभा संयोजक व जनपद पंचायत किरनापुर के अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह ने की है।

गौरतलब हैं की मध्य प्रदेश में आगामी कुछ ही दिनों में विधानसभा के चुनाव संपन्न होने वाले हैं. जिसके लिए भाजपा द्वारा लगभग अपने उम्मीदवारों के नाम तय कर दिए हैं। जिसमें लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में क्षेत्र के सक्रिय व जनजन के प्रिय नेता रमेश भटेरे को प्रत्याशी ना बनाकर एक अन्य राजनीतिक दल (आमआदमी पार्टी) से आए एक कार्यकर्ता को भाजपा का संभावित प्रत्याशी बनाया गया है।

इसकी जानकारी विधानसभा क्षेत्र में प्राप्त होते ही पार्टी के इस निर्णय से क्षेत्र के जन सामान्य नागरिकों वह पार्टी कार्यकर्ताओं में असंतोष निर्माण हो गया है। इसी के चलते पूर्व निर्धारित कार्यक्रम विधानसभा सम्मेलन 19अगस्त 2023 को ग्राम पंचायत का?द्रीकला में आयोजित किया गया था, किंतु उसके पूर्व 17 अगस्त 2023 को आम आदमी पार्टी से आए एक उम्मीदवार को भाजपा द्वारा संभावित उम्मीदवारी दी गई है।

जिसके चलते लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र का कोई भी कार्यकर्ता वह सामान्य मतदाता भाजपा को मतदान करने के लिए सहमत नहीं है। पार्टी के इस निर्णय से कार्यकर्ताओं द्वारा 18 अगस्त 2023 को विधानसभा क्षेत्र में एक आक्रोश रैली निकालकर पार्टी के इस निर्णय का जबरदस्त तरीके से विरोध किया ,उपरोक्त रैली में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता व जन सामान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

तथा भाजपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश संगठन से मांग की गई की कार्यकर्ताओं व आम मतदाताओं की भावनाओं को देखते हुए पक्ष प्रमुखों द्वारा रमेश भटेरे को टिकट देकर उपरोक्त विधानसभा क्षेत्र की उम्मीदवारी दी जाए जिसका लाभ निश्चित रूप से भाजपा पक्ष को होगा।

वर्तमान में जी आम आदमी पार्टी के एक कार्यकर्ता को भाजपा द्वारा संभावित टिकट देने की घोषणा की गई है उसका भाजपा से किसी भी प्रकार का नाता नहीं है तथा अब तक उसने सिर्फ बीजेपी का विरोध ही किया है तथा टिकट की घोषणा होने के पश्चात ही उपरोक्त कार्यकर्ता द्वारा संगठन की सदस्यता ली।

उम्मीदवारी दिए जाने के बावजूद क्षेत्र का कोई भी कार्यकर्ता या जनसामान्य व्यक्ति बीजेपी घोषित संभावित उम्मीदवार से न मिलने गया ना उसे किसी भी प्रकार की शुभकामनाएं दी। इसलिए सामान्य कार्यकर्ता वह जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह ने मांग की है कि फिर से बूथ स्तर पर सर्वे करवाकर उसके बाद ही संगठन निर्णय ले।

कुड़वा के आंगन ढाबा पर छापेमारी, 22 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

गोंदिया-रामनगर थाने के तहत कुड़वा में आंगन ढाबा पर बिना अनुमति के शराब का सेवन किया जा रहा था. राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने 20 अगस्त को रात करीब 8 बजे उस ढाबे पर छापा मारा और 22 लोगों को रंगे हाथ पकड़ लिया. यह कार्रवाई गोंदिया बार एसोसिएशन द्वारा राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों के पास दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई. आंगन ढाबे पर बिना अनुमति शराब पीने की जानकारी मिलने पर राज्य उत्पाद शुल्क विभाग ने राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के पुलिस अधीक्षक डा. मनोहर अंचुले के मार्गदर्शन में निरीक्षक डी.बी. काडेल, उपनिरीक्षक गायकवाड, सहायक फौजदार तराटे, जवान डिब्बे, बंसोड़, चालक भोंडे ने छापा मारकर उस ढाबे में शराब पीते हुए 22 लोगों को रंगे हाथ पकड़ा. उनके पास से शराब, बीयर, गिलास, टेबल, कुर्सी जब्त की गई. राज्य उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र शराब निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 68, 84 के तहत कार्रवाई की गई.

गोंदिया पंचायत समिति को तीन वर्षों बाद मिला स्थायी बीडीओ

सभापति मुनेश रहांगडाले ने किया स्वागत

बुलंद गोंदिया। पिछले तीन वर्षों से गोंदिया पंचायत समिति में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) का पद प्रभारी के भरोसे चल रहा था। अब जाकर पंचायत समिति को स्थायी रूप से बीडीओ मिलने पर पंचायत समिति के सभापति, उपसभापति और सदस्यगणों ने खुशी जाहिर की।21 अगस्त 2023 को नए बीडीओ के रुप में आनंदराव पिंगले के पदभार संभालने पर पंचायत समिति गोंदिया द्वारा स्वागत,अभिनंदन किया गया। पंस सभापति मुनेश रहांगडाले, उपसभापति नीरज कुमार उपवंशी सहित सभी पंस सदस्यों, ग्राम पंचायत सरपंच, पंस अधिकारी, कर्मचारी द्वारा नए बीडीओ श्री पिंगले कक पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। सभापति मुनेश रहांगडाले ने कहा, पंचायत समिति को स्थायी अधिकारी मिलने पर अब ग्रामीण स्तर के विकास कार्यो को गति मिलेगी एवं नए कार्यो को रफ्तार मिलेंगी। इस स्वागत कार्यक्रम के दौरान पंचायत समिती सभापती मुनेश रहांगडाले, उपसभापती निरजकुमार उपवंशी, पंचायत समिती सदस्य अजाबराव रिणायत, पं.स. गोंदिया के सहा.गट विकास अधिकारी डी. आर. लंजे, विस्तार अधिकारी सी. एम. गवळ, कार्तिक चव्हाण, डी. बी. पटले तथा तालुका गोंदिया सरपंच संघटना के अध्यक्ष सोनु घरडे ग्रा. पं एकोडी सरपंच सौ. शालू चौधरी, प्रा.प गर्रा सरपंच कुलदिप पटले, प्रा. पं धापेवाडा सरपंच कटरे ग्रा.पं. रावणवाडी सरपंच सौ शीला वासनिक, ग्रा. पं भानपुर सरपंच कटरे, ग्रा. पं पारडीबांध सरपंच चोरावार, ग्रा. पं जब्बारटोला सरपंच गहरेवार, ग्रा.पं कोरणी सरपंच ठाकरे, ग्रा.पं. दांडेगाव सरपंच पंकज अंबुले, ग्रा.पं. चुलोद उपसरपंच लतीश बिसेन, ग्रा. पं भानपुर उपसपंच योगेश पतेह व समस्त पंचायत समिती

तिरोड़ा के चुरडी नाले में बहा वृद्ध, 16 घंटे बाद मिला शव

बुलंद गोंदिया। विगत दिनो से जिले में अधिक बारिश होने से नदी-नालो के पानी का प्रवाह तेज होने से जलस्तर बढ़ गया था। तिरोड़ा तहसील का चुरडी नाला परिसर से गुजरते समय 19 अगस्त को शाम 4.30 बजे के दौरान 70 वर्षीय वृद्ध नाले में गिर गया जिससे वह पानी के तेज प्रवाह में बह गया था। जिसका रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान 16 घंटे के बाद वृद्ध का शव पानी से निकाला गया। मृतक का नाम चुरडी निवासी शालिकराम अधिन प्रजापति बताया गया है। इस तरह की जानकारी जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे द्वारा दी गई है। इस संदर्भ में जानकारी दी गई कि मृतक शालिकराम प्रजापति यह नाला परिसर से गुजर रहा था कि इसी दौरान शालिकराम का संतुलन बिगड गया और चुरडी नाले के पानी में डूब गया। जिसकी जानकारी मिलते ही ग्रामवासियो ने जिला आपदा प्रबंधन के जांच व बचाव दल को सूचना दी। सूचना मिलते ही जांच व बचाव दल ने नाले में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया लेकिन रात हो जाने से रेस्क्यू ऑपरेशन बंद कर दिया गया। सुबह होते ही फिर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान घटना स्थल से लगभग ढाई से तीन सौ मीटर की दूरी पर ही शालिकराम का शव दिखाई दिया। इस घटना का मर्ग तिरोड़ा पुलिस थाने में दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

न डंक का निशान न सर्पदंश की जानकारी, उखड़ती सांसों के बिच 7 वर्षीय सतीश ने जीती मौत की जंग

संपूर्ण शरीर में फैल चुका था जहर, मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने दिया जीवनदान

बुलंद गोंदिया। गोंदिया तहसील के लोधीटोला धापेवाड़ा निवासी एक 7 वर्षीय बालक को सर्पदंश होने की कोई जानकारी नहीं थी। ना ही काटने के कोई निशान लेकिन बालक की धड़कने व सांसे अंतिम क्षण में आ गई थी। गोंदिया मेडिकल कॉलेज के डाक्टर सहायक प्रोफेसर ने अपनी सुझबुझता का परिचय देते हुए सर्पदंश का ईलाज शुरू कर दिया और बालक की जान बचाने में कामयाब हो गए। यह घटना 15 अगस्त को सामने आई थी। जिस बालक ने मौत को मात दिया उस बालक का नाम सतीश मोरेश्वर मेश्राम (7) बताया गया है7 जिस डाक्टर ने उसे जीवनदान दिया उस डाक्टर का नाम गोंदिया मेडिकल कॉलेज के डा.सहायक प्रोफेसर सुनिल देशमुख है। बता दे कि बारिश के मौसम मे जहरीले सांप तथा जहरीले कीटो के काटने की घटनाएं सामने आती है। समय पर उपचार नहीं मिला तो उनकी जान भी चली जाती है। लेकिन गोंदिया तहसील के लोधीटोला धापेवाड़ा ग्राम में एक ऐसा मामला सामने आया था कि इस घटना को समझना मुश्किल था। गोंदिया मेडिकल कॉलेज के डा.सहायक प्रोफेसर सुनिल देशमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि सतीश मेश्राम इस बालक को बेहोशी अवस्था में उपचार के लिये मेडिकल कॉलेज के बालरोग विभाग मे लाया गया था। जब बालक के मां-बाप से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि बालक के मुंह से झाग निकल रहा था। जिस पर अनुमान लगाया गया कि कहीं बालक को सर्पदंश तो नहीं हुआ है। पीडित बालक ने भी इस तरह की कोई घटना होने की जानकारी अपने मां-बाप को नहीं दी थी। पुरे शरीर पर जख्म के निशान तथा सर्पदंश से जुडे लक्षणों की जांच की गई7 फिर भी कोई जख्म या लक्षण दिखाई नहीं दिए। लेकिन सतीश की हालत इतनी गंभीर हो गई थी कि दिल की धड़कने व सांस अंतिम क्षण तक पहुच गई थी। इसी दौरान जब सतीश के आंखो की जांच की गई तो पता चला कि जिस तरह से आंख मे लक्षण दिखाई दे रहे है वे लक्षण सर्पदंश से मिलते-जुलते है और बिना समय गवाये 2 दिनो तक वेंटिलेटर पर रख सर्पदंश का ईलाज शुरू कर दिया गया। सतीश ने प्रतिसाद देते हुए हलचल शुरू कर दी और 4 दिनों के बाद पुरी तरह से स्वस्थ होकर मौत को मात दी।

ऐसे होते है लक्षण सांप के डंसने के बाद मरीज बेहोश हो जाता है। मरीज के मुंह से झाग निकलने लगता है। कई बार मरीजे के डसे हुए हिस्से मे सूजन भी आ जाती है। इसके अलावा मरीज को सांस लेने में तकलीफ होती है। कभी-कभी तो ऐसी नौबत आ जाती है कि सर्पदंश के निशान शरीर पर दिखाई नहीं देते लेकिन उपरोक्त लक्षणों को देखते हुए चिकित्सक सर्पदंश का उपचार तत्काल शुरू कर देते है।

मेडिकल कॉलेज मे मिलती है सुविधा मेडिकल कॉलेज में सर्पदंश के मरीजो पर ईलाज करने की पुरी व्यवस्था है। 90 प्रतिशत पीडित पुरी तरह से स्वस्थ हो जाते है। जिसमे से अधिक गंभीर होते है तो उन्हे आगे के ईलाज के लिए रेफर किया जाता है। उपलब्ध संसाधन व मेडिकल कॉलेज मे कार्यरत प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर व डाक्टरो की टीम के माध्यम से मरीजो पर ईलाज कर स्वस्थ किया जा रहा है। जिससे आगे के उपचार के लिए मरीजो को रेफर करने की संख्या मे काफी कमी आ चुकी है।

- के.एस.घोरपडे, अधिष्ठाता, मेडिकल कॉलेज, गोंदिया

बाघ दुर्घटना से जागा वन विभाग, एनएच 753 पर बनेंगे 26 स्पीड ब्रेकर

बुलंद गोंदिया। नेशनल हायवे क्रमांक 753 अर्जुनी मोरगांव-रामटेक मार्ग पर मुरदोली जंगल से गुजरने वाले मार्ग पर कार की टक्कर से बाघ की दर्दनाक मौत हो गई थी। यह घटना 10 अगस्त की रात 8.30 बजे के दौरान सामने आई थी। इस हायवे पर वन्यजीव सुरक्षा के संदर्भ में किसी भी प्रकार की उपाय योजना नहीं किए जाने से तेज रफ्तार से वाहन गुजरते है। यही एक कारण है कि उपरोक्त बाघ की मृत्यु कार की टक्कर से हो गई। इस घटना से वन विभाग व वन्यजीव विभाग जाग उठा और तत्काल इस हायवे पर 26 स्पीड ब्रेकर लगाने की योजना तैयार की है। इस दौरान एनएच 753 के कार्यकारी अभियंता बोरकर, वन विभाग के डीएफओ प्रमोद कुमार पंचभाई, वन्यजीव विभाग के डीएफओ अतुल देवकर, आरएफओ रवि भगत, आदि उपस्थित थे। गौरतलब है कि 753 क्रमांक का नेशनल हायवे नागझिरा अभयारण्य व वन विभाग जंगल के बीच से मुरदोली, गोरेगांव होते हुए गुजरता है। इस जंगल मार्ग से बाघ, तेंदुआं, भालू, सांभर, चितल, बायसन जैसे दुर्लभ प्रजाति के वन्यजीव विचरण करते है लेकिन इस हायवे से इतने तेजी से वाहन गुजरते है कि इन वाहनो की चपेट में वन्यजीव आ जाते है जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है वहीं वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो जाते है। बाघ व तेंदुएं जैसे श्रेणी वन के वन्यजीव इस क्षेत्र में विचरण होने के बावजूद भी वन्यजीव व वन विभाग ने सूचना फलक या कोई उपाय योजना नहीं की है। जिस वजह से वाहन चालक इस हायवे से तेज रफ्तार से चलाते है। 10 अगस्त की रात को वाहन की टक्कर से दो वर्ष का बाघ गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना में उपचार के पूर्व ही बाघ ने दम तोड़ दिया। हालांकि इसके पूर्व अनेक वन्यजीवों की दुर्घटना में मृत्यु होकर वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो चुके है। दुर्घटना में बाघ की मृत्यु होने की अब तक की पहली घटना होने से वन व वन्यजीव विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए इस मार्ग पर सुरक्षा के इंतजाम तथा उपाय योजना तैयार की है जिसमें बताया गया है कि मुंडीपार-मुरदोली हायवे पर आवश्यक स्थानो पर 26 स्पीड ब्रेकर तैयार किए जाएंगे। इसी प्रकार 20 सूचना फलक लगाए जाएंगे। यह भी बताया गया है कि इस मार्ग पर प्रति घंटा 20 किमी.रफ्तार से ही वाहनो को चलाने की अनुमति दी जाएगी।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।